May 2016 subject reports

Hindi B

Overall grade boundaries

Higher level

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 14	15 - 29	30 - 45	46 - 58	59 - 69	70 - 82	83 - 100

Standard level

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 13	14 - 27	28 - 41	42 - 56	57 - 72	73 - 86	87 - 100

Higher level internal assessment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 3	4 - 6	7 - 12	13 - 17	18 - 21	22 - 26	27 - 30

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

चित्र : अधिकांश मामलों में मौखिक प्रस्तुति के लिए जो चित्र विद्यालयों द्वारा प्रस्तुत किए गए वे यथोचित थे और शिक्षकों द्वारा भेजे गए कार्य उनके श्रम को प्रतिभाषित करते हुए दिखाई दिए। अधिकतर चित्र यदि आदर्श थे तो कुछ चित्र अनुभवहीनता या शिक्षक की जल्दबाजी का प्रतिबिंब थे। कुछ चित्रों में एक ही साथ ५ – ६ चित्र गुँथे हुए थे, जो परीक्षार्थी को गुमराह करते नज़र आए। जहाँ अधिकतर शिक्षकों ने चित्र के स्त्रोत के प्रति साभार प्रकट किया, वहीं कुछ मामले इसके विपरीत भी थे।

शीर्षक : शीर्षक की बात करें तो एक लंबा उतार – चढ़ाव नज़र आता है। कुछ शीर्षक उपयुक्त थे, कुछ उपयुक्त होने के बहुत पास थे तो कुछ अपने चित्र से संघर्ष करते दिखाई दे रहे थे। कुछ शीर्षकों ने निःसंकोच अंग्रेज़ी भाषा को अपने घर में स्थान दिया तो कुछ शीर्षक वर्तनी की अशुद्धि का भार ढोते भी नज़र आए। कहीं कुछ शीर्षक समानांतर सरल रेखाओं की भांति साथ होते हुए भी अपने चित्र से नहीं मिल पाए तो कुछ लगभग एक जैसे ही रहे। इन सभी विविधताओं का अंश निश्चित रूप से परीक्षार्थियों के प्रस्तुतीकरण में साथ चलता दिखाई दिया।

समय सीमा : इन सब में सुखद बात यह रही कि अधिकांश प्रस्तुतियों में समय सीमा बखूबी निभाई और शिक्षकों ने भी परीक्षार्थियों को बोलने का खूब मौका दिया। परंतु कुछ प्रस्तुतियों में अभी भी समय सीमा संबंधी निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

प्रस्तुतीकरण : प्रस्तुतीकरण के दोनों चरणों में परीक्षार्थियों की अच्छी तैयारी का बोलबाला रहा और शिक्षकों ने भी उन्हें यथोचित सहयोग दिया। अधिकतर कार्य आई. बी. दिशा निर्देशों के अनुरूप ही थे परन्तु जहाँ एक ओर कार्य की बारीकी और विषय की जबरदस्त पकड़ वाले प्रस्तुतीकरण सामने आए तो वहीं दूसरी ओर कहीं किसी प्रस्तुतीकरण में निर्देशों से थोड़ा भटकाव या फिर प्रस्तुतीकरण पूरा करने की जल्दबाजी भी दिखाई दी।

शिक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्न: अधिकांश मामलों में प्रस्तुतीकरण के दूसरे चरण में शिक्षकों ने अच्छे प्रश्न पूछे और उन्हें अच्छे उत्तर भी मिले। यदा कदा वार्तालाप में दो भाषाओँ का आकस्मिक मिलन अवश्य दिखाई दिया परन्तु बात बिगड़ने की सीमा तक नहीं पहुँची। कुछ शिक्षकों ने अभी भी प्रस्तुतीकरण से हटकर परीक्षार्थियों के शौक आदि से संबंधित प्रश्न पूछे। बहुत ही कम परंतु कुछ मामले ऐसे भी नज़र आए, जिनमें शिक्षक परीक्षार्थियों का सामान्य ज्ञान आँकलित करते नज़र आए। कुछ अध्यापकों द्वारा जो प्रश्न पूछे गए वे परीक्षार्थियों को भ्रम में डालने योग्य थे या यूँ कहें कि विषय के अनुकूल नहीं थे। अगर शिक्षक व्यक्तिगत सवालों को पूछने से परहेज करें तो बेहतर होगा। लेकिन हर्ष की बात यह रही कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में इस प्रकार की त्रुटियों का प्रतिशत बहुत ही कम रहा।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

मानदंड अ : उत्पादन कला

कुल मिलाकर परीक्षार्थियों का प्रदर्शन अच्छा रहा। अधिकतर प्रस्तुतियों में भाषागत निपुणता देखने को मिली कुछ तो इतनी अच्छी थीं कि पूर्वअभ्यास करने का संदेह पैदा कर रही थीं। अधिकतर प्रस्तुतियों

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

में भाषा में तारतम्यता एवं धाराप्रवाहिता थी। ज्यादातर मामलों में भाषागत त्रुटियाँ कम दिखीं। कुछ एक प्रस्तुतियों में काफी अच्छी शब्दावली भी सुनने को मिली और बहुत कम प्रस्तुतियों में निर्देशों की उपेक्षा देखने को मिली।

मानदंड ब : भाषा अभिव्यक्ति एवं अर्थग्रहण क्षमता

कह सकते हैं कि परीक्षार्थियों की भाषा एवं वाक् पटुता पर वास्तविक पकड़ यहीं पर देखी जाती है। कुल मिलाकर निराशा हाथ नहीं लगी और इस भाग में पाया गया कि परीक्षार्थी भले ही बड़े - बड़े शब्दों का प्रयोग न कर सके हों परन्तु उनकी सहजता प्रथम भाग से कहीं अधिक थी। परीक्षार्थियों ने अपने विचार एवं प्रस्तुति में सामंजस्य बनाए रखा तथा उनमें पूर्ण स्पष्टता दिखी। वार्तालाप में सहज भाव से समुचित सहभागिता का प्रदर्शन रहा। कुछ शिक्षक, परीक्षार्थियों द्वारा दिए गए उत्तरों को अनावश्यक रूप से विस्तार से समझाते हुए नज़र आए, जिसके कारण परीक्षार्थी के पास अपनी बात को कहने के लिए कम समय शेष रह जाता है। कुछ स्थानों पर शिक्षकों के दीर्घ एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्नों ने थोड़ा निराश अवश्य किया।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

- Language - B Guide एवं Hand book of procedures को ध्यान से पढ़कर मौखिक प्रस्तुति की तैयारी करनी चाहिए जिससे किसी तरह का भ्रम पैदा न हो और सभी निर्देशों का पालन किया जा सके।

- शिक्षक, परीक्षार्थियों को आई. बी. द्वारा निर्धारित मानदंडों का पूर्ण ज्ञान अवश्य करवाएँ, इससे परीक्षार्थियों का प्रदर्शन स्तर बेहतर होगा।

- चित्र ऐसा हो जिससे परीक्षार्थी पढ़ी गई भाषा की संस्कृति पर अपने विचार प्रकट कर सके और उस पर बाद में भी विस्तार से बातचीत की जा सके। चित्र का शीर्षक सटीक होना चाहिए तथा भाषा की शुद्धता होनी चाहिए। अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग मान्य नहीं है। शिक्षक समय-समय पर विविध विषयों के चित्र दिखा कर कक्षा में वार्तालाप अवश्य करें इससे परीक्षार्थियों में आत्मविश्वास का विकास होगा ।

- प्रस्तुतीकरण के दूसरे चरण में शिक्षक ऐसे प्रश्न पूछें जो 'क्यों' और 'कैसे' पर आधारित हों जिनके उत्तर केवल 'हाँ' या 'न' में न हों। जिससे विद्यार्थी की भाषा अभिव्यक्ति और अर्थ ग्रहण क्षमता को अच्छे से आंका जा सके। चर्चा के दौरन सांस्कृतिक विभिन्नताओं की समझ और गहराई पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस चरण में शिक्षक स्वयं को प्रभावशाली होने से बचाएँ। शिक्षक को वार्तालाप के दौरान अनावश्यक बातें नहीं करनी चाहिए। शिक्षक को परीक्षार्थी को अपनी पूरी बात कहने का अवसर देना चाहिए। वार्तालाप में विचारों का आदान प्रदान स्वाभाविक रूप से होना चाहिए।

- व्यक्तिगत मौखिक प्रस्तुतीकरण के पूर्व शिक्षकों को तकनीकी उपकरणों की जाँच अवश्य कर लेनी चाहिए। रिकॉर्डिंग गुणवत्ता की दृष्टि से अच्छे स्तर की होनी चाहिए तथा शांत वातावरण में की जानी चाहिए।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

Standard level internal assessment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 3	4 - 6	7 - 12	13 - 17	18 - 21	22 - 26	27 - 30

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष के परीक्षा सत्र में मानक स्तर की मौखिक परीक्षा का कार्य संतुष्टिपूर्ण रहा। अधिकतम परीक्षार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधित विषयों का चयन किया और डिब्बाबंद खाना, धूम्रपान, मदिरा, संतुलित आहार, व्यायाम, मादक पदार्थों का सेवन आदि विषयों को रोचकता के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया। फैशन, त्यौहार, विज्ञान और तकनीक, मनोरंजन, रीतिरिवाज और परम्परा के विषय भी लोकप्रिय रहे। शिक्षकों द्वारा कुछ अन्य विषयों के भी चित्र दिए गए थे जिनका वैकल्पिक विषयों से कोई सम्बन्ध नहीं था। बहुत कम लेकिन कुछ चित्रों के शीर्षक अंग्रेज़ी में थे। हिंदी शीर्षकों में वर्तनी की अशुद्धियाँ भी देखने को मिलीं। कुछ चित्र श्याम-धवल और बेतरतीब ढंग से उल्टे-तिरछे जमाए गए थे। कुछ चित्र ऐसे भी थे जिनमें दो-चार चित्रों को इकट्ठा जोड़कर, खींच-तान कर जमाया गया था। लगभग तीस प्रतिशत शीर्षक प्रश्न के रूप में बढ़िया तरीके से संजोए गए थे जो कि मानक स्तर के परीक्षार्थियों के लिए विस्तारपूर्वक बोलने में सहायक साबित हुए। लगभग पचास प्रतिशत चित्र बिना साभार के थे। चित्र संयोजन के समय, चित्र किस पत्र-पत्रिका, जगत-जाल के पन्ने आदि से लिया गया है (साभार) अवश्य शामिल करना चाहिए। आई. बी. के शैक्षणिक ईमानदारी के नियमानुसार यह अनिवार्य है।

अधिकतर विद्यालयों ने सूचनानुसार निर्देशों का पालन किया, परिणामस्वरूप परीक्षार्थियों ने अपनी मौखिक प्रस्तुति में अपना नाम, परीक्षार्थी क्रमांक, विद्यालय का नाम आदि नहीं बोला। परीक्षार्थियों के हित के लिए मूल्यांकन कार्य में गोपनीयता के तहत अब परीक्षार्थी मौखिक प्रस्तुति के पूर्व अपना नाम, परीक्षार्थी क्रमांक, विद्यालय का नाम आदि नहीं बोलेंगे और प्रपत्र 2B/IA की कार्यवाही को भी रद्द कर दिया गया है।

अधिकतर रिकार्डिंग की गुणवत्ता उत्तम दर्जे की रही। कुछ रिकार्डिंग ऐसी भी थीं जिनमें आस-पास की चहल-पहल, शोर-शराबा, मोबाईल की आवाज़ आदि भी सुनाई दीं। रिकार्डिंग एक शांत कमरें में होनी चाहिए और अपलोड करने से पहले तकनिकी खराबी की जाँच कर लें तो और भी बहतर।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

प्रथम भाग : मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता

International Baccalaureate® Baccalauréat International Bachillerato Internacional

इस प्रथम चरण में अधिकतम परीक्षार्थियों की अपनी मौखिक प्रतिक्रिया चुने गए चित्र और उसी विषय पर आधारित रही, कुछ परीक्षार्थी विषय से भटके भी प्रतीत हुए। लगभग पचास प्रतिशत परीक्षार्थियों ने ही समय सीमा का बखूबी पालन किया और चार मिनट के अंदर प्रस्तुति समाप्त की। अनेक परीक्षार्थियों का व्यक्तव्य रटा हुआ या कागज से पढ़ा गया प्रतीत हुआ। बहुत कम ऐसे परीक्षार्थी थे जिन्होंने अभिव्यक्ति के समुचित उतार-चढ़ाव सहित, शुद्ध भाषा और सटीक शब्दावलियों का प्रयोग किया। अधिकतर परीक्षार्थियों का शब्द भंडार सीमित प्रतीत हुआ तथा अशुद्ध भाषा या शब्दों का ग़लत प्रयोग किया गया। लिंग और वचन की अशुद्धियाँ भी रहीं। विदेशी तथा आंचलिक (क्षेत्रीय) भाषा का प्रयोग किया गया। कुछ परीक्षार्थियों ने मुहावरों एवं लोकोक्तियों का सफल प्रयोग किया।

द्वितीय भाग : अर्थ-ग्रहण एवं परिसंवाद की क्षमता

इस दूसरे चरण में अधिकतम परीक्षार्थी श्रोता को अपनी बात समझाने में सफल रहे। कुछ ही परीक्षार्थी ऐसे थे जिनके वार्तालाप में सहज भाव से समुचित सहभागिता का प्रदर्शन रहा। अधिकतर मौकों पर प्रश्न-उत्तर का अस्वाभाविक दौर नज़र आया ना कि चर्चा सत्र। शिक्षक/शिक्षिकाओं के विस्तारित प्रश्नों के कारण कुछ परीक्षार्थियों द्वारा प्रश्न पूरी तरह नहीं समझे गये या प्रश्न के मूल भाग का जवाब नहीं दिया गया। चर्चा के दौरान शिक्षक/शिक्षिका एवं परीक्षार्थी पाश्चात्य या अन्य किसी भी संस्कृति पर टिप्पणी करते सुनाई दिए। चर्चा सत्र में परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति के बाद शिक्षक/शिक्षिका द्वारा उसी बात को समझाने या दुहराने से परीक्षार्थियों को बोलने का अवसर कम मिला। बहुत कम किन्तु कुछ शिक्षक/शिक्षिकाओं ने चर्चा सत्र को बहुत बढ़िया संचालित किया और परिणामस्वरूप परीक्षार्थियों के मौलिक विचार सुनने को मिले। इस सत्र में भी अधिकतम परीक्षार्थियों ने समय सीमा का पालन नहीं किया।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

अध्यापकों से अपेक्षा है कि आई. बी. के हिंदी पाठ्यक्रम की निर्देश पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें। चित्रों के संयोजन, शीर्षक, साभार आदि के बारे में पाठ्यक्रम की निर्देश पुस्तिका में दी गई कार्यप्रणाली का पालन करें। परीक्षार्थियों से सहज, सरल अभिव्यक्ति एवं मौलिक विचारों की प्रस्तुति अपेक्षित है, अत: रटकर बोलने की परम्परा के बजाए दो वर्षों वाले शैक्षिक सत्र अनुसार अभ्यास कराएँ। समय सीमा का प्रशिक्षण और अंग्रेजी शब्दों के बजाय उनके सरल हिंदी पर्याय के प्रयोग को पठन-पाठन का हिस्सा बनाएँ। विद्यार्थियों के शब्द भंडार को बढ़ाने में भी मदद की जानी चाहिए। चर्चा सत्र के दौरान शिक्षक के प्रश्न संक्षिप्त और सटीक हों और विद्यार्थी को बोलने का अधिक-से-अधिक अवसर दिया जाए।

Higher level written assignment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

Mark range:	0 - 4	5 - 8	9 - 12	13 - 15	16 - 17	18 - 20	21 - 24

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

साहित्यिक कार्य पर आधारित लिखित कार्य उत्तम एवं रोचक था। पिछले वर्ष की तुलना में लेखक व कृतियों के चयन में विविधता दिखाई दी। अधिकांश परीक्षार्थियों ने सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की रचनाओं को आधार बनाया वहीं कुछ परीक्षार्थियों द्वारा लिखित कार्य हेतु साहित्यिक कार्य के चयन में आधुनिक रचनाओं को भी सम्मिलित किया गया है। लेखन कार्य में दैनंदिनी, रिपोर्ट, कहानी का नया अंत, साक्षात्कार, ब्लॉग इत्यादि विविध विधाओं का रचनात्मक ढंग से उत्तम प्रयोग किया गया। कुछ परीक्षार्थियों द्वारा लेखन कार्य- निबंध, सार, प्रश्न और उत्तर के रूप में लिखा गया है जो कि अस्वीकृत है। (आई. बी. द्वारा उल्लिखित विषय मार्गदर्शिका को अवश्य पढ़ें।) कुछ परीक्षार्थियों द्वारा औचित्य के स्थान पर सारांश (Abstract) या प्रतिबिंबन (Reflection) लिखा गया, जो कि स्वीकार नहीं है। लिखित कार्य में सर्वप्रथम औचित्य, तत्पश्चात लेखन कार्य एवं संदर्भग्रंथ सूची लिखना चाहिए एवं सभी को एक ही प्रलेख में रखना चाहिए। विद्यालय या परीक्षार्थी का नाम अथवा अनुक्रमांक लिखित कार्य में कहीं भी नहीं लिखा जाए, परीक्षार्थियों को इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। प्रसन्नता की बात यह है कि परीक्षार्थियों को टंकित लिखित कार्य जमा करना था, जिसमें अधिकांश कार्य सराहनीय थे, किन्तु कुछ कार्यों में वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ अधिक पाई गईं। वर्तनी संबंधी त्रुटियों में सुधार हेतु परीक्षार्थियों को टंकण का समुचित एवं पर्याप्त अभ्यास करवाया जाना आवश्यक है।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

मापदंड 'अ' – औचित्य एवं कार्य

औचित्य में कहानी का लघुसार, विधा, उद्देश्य, उद्देश्य की पूर्ति की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से स्पष्ट होनी चाहिए। लेखक का परिचय अपेक्षित नहीं है, कुछ कार्यों में शब्द संख्या का भी ध्यान नहीं रखा गया। अधिकांश लिखित कार्य में औचित्य एवं कार्य के विवर्णकों की स्पष्टता दिखाई दी, जिससे परीक्षार्थियों को इस मापदंड में उत्तम अंक प्राप्त हुए। कई कार्यों में कहानी की पुनरावृत्ति, सार एवं प्रश्न का उत्तर लिखा गया है, जिससे कार्य की रचनात्मकता प्रभावित हुई। कुछेक लेखन कार्यों के भीतर परिक्षार्थी औचित्य को उचित रूप में लिख नहीं पाए। परीक्षार्थियों को मापदंड 'अ' के सभी विवर्णकों के अनुसार स्पष्ट एवं संरचित कार्य करने की आवश्यकता है।

मापदंड 'ब' – संरचना एवं संवर्धन

लिखित कार्य में मापदंड 'ब' में अधिकांश परीक्षार्थियों का प्रदर्शन उत्तम था। विचारों का तार्किक एवं संगठित विकास किया गया। कुछ कार्यों में प्रभावी आयोजन का अभाव दिखाई दिया जिसमें सुधार की आवश्यकता है। मापदंड के विवर्णकों के सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित योजना पूरे लिखित कार्य में परिलक्षित होनी चाहिए।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

मापदंड 'स' – भाषा

लिखित कार्य में परीक्षार्थियों द्वारा विधा के अनुरूप उचित, सटीक एवं परिष्कृत भाषा का प्रयोग किया गया, किन्तु अधिकांश कार्यों में वर्तनी सम्बन्धी मूलभूत त्रुटियों की प्रधानता रही, यथा – 'की' एवं 'कि', में एवं मैं, है एवं हैं, इ एवं ई की मात्रा, उ एवं ऊ की मात्रा के प्रयोग में, साथ ही अनुस्वार एवं चन्द्र बिंदु के उचित प्रयोग पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। परिष्कृत भाषा का प्रयोग अपेक्षित है। परीक्षार्थियों द्वारा भाषिक लेखन अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाने हेतु सटीक मुहावरों एवं कहावतों का प्रयोग किया गया है, किन्तु कुछ कार्यों में असंगत एवं अनावश्यक रूप से मुहावरों, कहावतों के प्रयोग से भाषा सहजता बाधित हुई है। भाषा विधानुरूप व पात्रानुकूल होनी चाहिए।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

शिक्षकों से निवेदन है कि लेखन कार्य शुरू करने से पहले परीक्षार्थियों को ध्यानपूर्वक आई बी द्वारा उल्लिखित विषय मार्गदर्शिका अवश्य पढवाएं। लिखित कार्य के प्रत्येक चरण पर छात्रों का उचित मार्गदर्शन एवं प्रत्येक मापदंड के विवर्णकों से छात्रों को भलीभाँति अवगत करवाएं। मापदंड 'अ' के विवर्णकों का समुचित पालन करने में अधिकांश परीक्षार्थी सफल हुए। परीक्षार्थियों को औचित्य लिखते समय मापदंड के विवर्णकों के सभी बिन्दुओं को स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है, यथा – विधा और उद्देश्य की पूर्ति कैसे की जाएगी, साहित्यिक कार्य का उल्लेख एवं संक्षिप्त विवरण, पाठक एवं श्रोता आदि। लिखित कार्य में विधा का चयन उद्देश्य के अनुरूप होना चाहिए। लेखन कार्य में परीक्षार्थी के कल्पनात्मक व रचनात्मक कौशल का परीक्षण किया जाता है अत; शिक्षकों से निवेदन है कि वह लिखित कार्य में छात्रों को रचनात्मक कार्य लिखने हेतु प्रोत्साहित करें। लेखन कार्य में साहित्यिक कार्य की विषय वस्तु की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। कविता का भावार्थ या स्पष्टीकरण लिखने के लिए प्रोत्साहित न करें।

शिक्षक विद्यार्थियों को व्याकरणिक संरचना का अधिक अभ्यास करवाएँ जिससे लिंग और वचन संबंधी त्रुटियों में सुधार हों सके।

सभी शिक्षकों से अनुरोध है कि परीक्षार्थियों से विद्यालय या परीक्षार्थी का नाम अथवा अनुक्रमांक लिखित कार्य में कहीं भी न लिखवाएँ। लिखित कार्य में औचित्य एवं लेखन कार्य एक ही दस्तावेज में रखें। सर्वप्रथम औचित्य लिखें।

चूँकि टंकित लिखित कार्य ही आई बी में स्वीकृत है, अतएवं हस्तलिखित कार्य न जमा करें। सभी परीक्षार्थियों से निवेदन है कि वे टंकण हेतु मंगल फॉन्ट् का उपयोग करना सीखें।

Standard level written assignment

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

Mark range:	0 - 3	4 - 7	8 - 11	12 - 14	15 - 17	18 - 20	21 - 24

प्रस्तुत कार्य का विस्तार और उपयुक्तता

प्रसन्नता का विषय है कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष लिखित कार्य हेतु विषय एवं विधाओं का चयन वास्तव में अत्यंत प्रभावशाली था। औचित्य एवं लिखित कार्य में कतिपय कार्यों को छोड़कर बाकी सभी कार्यों में निर्धारित शब्द संख्या का पालन किया गया। साथ ही विस्तृत, विविध एवं उचित शब्दावलीयुक्त विधानुरूप सटीक एवं परिष्कृत भाषा का प्रयोग किया गया। हालाँकि कुछ कार्यों में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ पाई गईं। कुछ कार्यों में औचित्य के अंतर्गत सभी बिंदु पूर्णतः स्पष्ट वर्णित थे, किंतु अधिकतर कार्यों में अस्पष्ट थे। कुछ परीक्षार्थियों ने मूल विषयों से स्रोतों का चयन न करके वैकल्पिक विषयों से स्रोतों का चयन किया। साथ ही स्रोतों के चयन में आई बी द्वारा निर्धारित ३ से ४ की संख्या का पालन नहीं किया। कुछ कार्यों में औचित्य एवं कार्य की भाषा में असंगतता देखी गई। औचित्य में भाषा अत्यंत त्रुटिपूर्ण थी, वहीं लिखित कार्य त्रुटिरहित था। अधिकतर कार्यों में मापदंडों के विवर्णकों का समुचित पालन नहीं किया गया। कुछ कार्यों में औचित्य लिखित कार्य के बाद लिखा गया एवं अधिकांश कार्यों में सन्दर्भ ग्रन्थ सूची नहीं लिखी गई। कुछ परीक्षार्थियों द्वारा औचित्य के स्थान पर अमूर्त विचार (abstract) या प्रतिबिंबन (reflection) लिखा गया, जो कि स्वीकार्य नहीं है। कुछ लिखित कार्यों में विद्यालय का नाम, क्रमांक, परीक्षार्थी का नाम, अनुक्रमांक और अध्यापक का नाम आदि लिखा पाया गया और कुछ कार्य टंकित के बजाय हस्तलिखित भी थे, परीक्षार्थियों को आई बी द्वारा दिए गए निर्देशों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

प्रत्येक मूल्यांकन कसौटी के अनुरूप परीक्षार्थी का प्रदर्शन

कुल मिलाकर अधिकतर परीक्षार्थियों का सराहनीय प्रदर्शन।

मापदंड 'अ' - औचित्य एवं कार्य

इस मापदंड का समुचित पालन न करने के कारण अधिकतर परीक्षार्थियों को पूर्ण अंक नहीं मिल पाए। कुछ कार्यों में मापदंड 'अ' के सभी विवर्णकों का समुचित ध्यान रखा गया, किन्तु अधिकतर कार्यों में इसकी उपेक्षा की गई, इसका कारण परीक्षार्थियों के मध्य मापदंड की आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता की कमी या समझ का अभाव हो सकता है। कुछ लिखित कार्यों में एक ही स्रोत का उल्लेख करके उसी को आधार बनाया गया। कुछ कार्यों में औचित्य में निहित उद्देश्य एवं लिखित कार्य के मध्य असंगतता देखी गई।

मापदंड 'ब' - संरचना एवं संवर्धन

प्रसन्नता का विषय है कि लिखित कार्य में मापदंड **'ब'** के अनुरूप अधिकांश परीक्षार्थियों का सामान्य रूप में प्रदर्शन अच्छा था, विचारों का तार्किक एवं संगठित विकास किया गया। मापदंड के विवर्णकों के सभी बिन्दुओं का अवश्य ध्यान रखना चाहिए। यथा - उद्देश्य, उद्देश्य की पूर्ति एवं विषय पूरे लिखित

International Baccalaureate® Baccalauréat International Bachillerato Internacional

कार्य में परिलक्षित होना चाहिए, कुछ परीक्षार्थियों के कार्यों में इनका अभाव दिखाई दिया और वे पूर्ण अंक प्राप्त करने से वंचित रह गए।

मापदंड 'स' - भाषा

लिखित कार्य में अधिकांश परीक्षार्थियों द्वारा विधा अनुरूप उचित, सटीक एवं उत्तम भाषा का प्रयोग किया गया, साथ ही विधा के प्रारूप एवं शैली का भी समुचित पालन किया गया, किन्तु कुछ कार्यों में इन बिंदुओं पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ कार्यों में उचित एवं सटीक मुहावरों एवं कहावतों का प्रयोग किया गया, किन्तु अधिकांश कार्यों में असंगत एवं अनावश्यक रूप से मुहावरों एवं कहावतों का प्रयोग किया गया। जहाँ एक ओर अच्छी भाषा का प्रयोग दिखा, वहीं अनेक कार्यों में वर्तनी सम्बन्धी मूलभूत त्रुटियों की प्रधानता रही, जैसे - 'की' एवं 'कि', में एवं मैं, है एवं हैं, इ एवं ई की मात्रा, उ एवं ऊ की मात्रा के प्रयोग में।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

लिखित कार्य के प्रत्येक चरण पर छात्रों का उचित मार्गदर्शन एवं प्रत्येक मापदंड के विवर्णकों से छात्रों को शिक्षक भलीभांति परिचित अवश्य करवाएं। मापदंडों के विवर्णकों के प्रति जागरूकता की कमी एवं अनभिज्ञता के कारण अनेक परीक्षार्थी उत्तम अंक प्राप्त करने से वंचित रह गए। भविष्य में इस कमी को दूर करने के लिए परीक्षार्थियों को अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में आई. बी. द्वारा उल्लिखित आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए; यथा - ३-४ स्रोतों का उपयोग करना, स्रोत एवं विषय को वैकल्पिक विषयों की अपेक्षा मूल विषय के अंतर्गत ही चयन करना। औचित्य १५०-२०० एवं लिखित कार्य ३००-४०० शब्द सीमा के अंदर लिखे जाएँ। (शब्द सीमा में कारक सहित सभी शब्द गिने जाएँगे।) मापदंड 'अ' में उत्तम अंक प्राप्त करने हेतु परीक्षार्थियों को औचित्य लिखते समय मापदंड के विवर्णकों के सभी बिन्दुओं को स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है, यथा - विषय, उद्देश्य, उद्देश्य की पूर्ति कैसे पूरी होगी, स्रोतों का शीर्षक सहित स्पष्ट उल्लेख एवं उनका विवरण, लिखित कार्य के लिए विषय एवं उद्देश्य के अनुसार विधा का चयन एवं उसका पाठक या श्रोता कौन है आदि। साथ ही परीक्षार्थियों को मापदंड 'अ' के सभी विवर्णकों के अनुसार संरचित एवं स्पष्ट कथन में कार्य करने की आवश्यकता है। विषयवस्तु में विविधता लाने हेतु अलग-अलग विधाओं के तीन से चार स्रोतों को आधार बनाकर लिखित कार्य करना परीक्षार्थियों के लिए लाभदायक होगा। लिखित कार्य में सर्वप्रथम औचित्य लिखना चाहिए, तत्पश्चात लेखन कार्य एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची। सभी को एक ही प्रलेख में रखना चाहिए। संगत एवं आवश्यकतानुसार मुहावरों एवं कहावतों का उचित प्रयोग सिखाने हेतु एवं भाषा में हो रही मूलभूत त्रुटियों को दूर कराने के लिए कक्षा में विभिन्न गतिविधियों द्वारा निरंतर अभ्यास करवाना भावी परीक्षार्थियों के लिए लाभदायक होगा।

शिक्षकों से निवेदन है कि मूल्यांकन हेतु भेजने से पूर्व भलीभांति जाँच लें कि लिखित कार्य टंकित हो, हस्तलिखित कार्य न हो। परीक्षार्थी ने लिखित कार्य में विद्यालय का नाम या क्रमांक, परीक्षार्थी का नाम अथवा अनुक्रमांक, अध्यापक का नाम आदि कहीं भी न लिखा हो।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

Higher level paper one

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 10	11 - 21	22 – 31	32 - 37	38 - 44	45 – 50	51 - 60

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम सही/गलत वाले खंड कठिन प्रतीत हुए। विशेषकर 13, 14 और 15. अधिकतर परीक्षार्थियों ने औचित्य सही नहीं लिखा था। उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करने वाले प्रश्न 28 से 33 तक भी परीक्षार्थियों को कठिन लगे।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के अर्थग्रहण वाले प्रश्न 44 से 56 तक सरल लगे और इसके लिए वे तैयार दिखे।

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

प्रश्न 1 का उत्तर देने का प्रयास अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही दिया। किन्तु अधिकांश परीक्षार्थी पूरे 4 अंक प्राप्त करने में असफल रहे।

प्रश्न 2 से 7 तक के उत्तर अधिकांश परीक्षार्थियों ने लगभग सही दिया। किन्तु अधिकांश परीक्षार्थी पूरे 6 अंक प्राप्त करने में असफल रहे। प्रश्न 3, 6 और 7 में अधिकांश परीक्षार्थियों ने ग़लत उत्तर दिये।

प्रश्न 8 से 12 तक के उत्तर अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही दिए।

प्रश्न 13, 14 और 15 का औचित्य अधिकतर परीक्षार्थियों ने सही नहीं लिखा था। सही व ग़लत का चिह्न भी सही नहीं लगाया था।

प्रश्न 18 से 23 एवं 24 से 27 तक के उत्तर अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही दिए।

प्रश्न 28 से 33 एवं 34 से 39 तक के उत्तर अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही नहीं लिखे थे।

प्रश्न 40 से 48 एवं 49 से 56 तक के उत्तर अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही लिखे थे।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

परीक्षार्थियों को अनुमान लगाने से बचना चाहिए और प्रश्नों के उत्तर लिखने के क्रम में पूरे वाक्य में उत्तर न लिख कर अपेक्षित शब्द ही लिखना चाहिए। सही ग़लत वाले प्रश्न में औचित्य लिखना अनिवार्य है। यदि परीक्षार्थी ने औचित्य नहीं लिखा तो उन्हें अंक नहीं मिलेंगे। परीक्षार्थियों द्वारा लिखे गए अक्षर स्पष्ट होने चाहिए, यथा 'घ' और 'छ'। परीक्षार्थियों के लेखन में सुधार अपेक्षित है। सुलेख का अभ्यास कराया जाए।

Standard level paper one

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 8	9 - 16	17 – 22	23 - 28	29 - 35	36 - 41	42 - 45

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

पाठांश 'ख' 'पत्र'

प्रश्न संख्या ७-१३ औचित्य ढूढ़ने में काफी विद्यार्थियों को कठिनाई महसूस हुई। विशेष रूप से प्रश्न ९ सिर्फ २५% विद्यार्थी ही सही उत्तर लिख पाए। कई विद्यार्थियों ने औचित्य में पूछी गई जानकारी से कम उत्तर लिखे। औचित्य संक्षिप्त व सटीक लिखा जाना आवश्यक है।

पाठांश 'ग' 'पहाड़ों की खुदाई'

प्रश्न संख्या १८-२२ वाक्यांश पूरा करने में कुछ छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रश्न संख्या २३-२९ सम्बन्धित व्यक्ति (अभिव्यक्ति) का सटीक उत्तर लिखने में विद्यार्थियों को कठिनाई हुई।

प्रश्न ३०-३१ के लिए शब्द ढूँढने में बहुत कठिनाई हुई।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

पाठांश 'क' के सभी प्रश्न आसान प्रतीत हुए। पाठांश 'घ' के वैकल्पिक प्रश्न भी आसानी से हल कर पाए।

International Baccalaureate® Baccalauréat International Bachillerato Internacional

इस वर्ष के प्रश्न पत्र को अधिकतर विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया और २५० उत्तर पत्रों में से १०५ विद्यार्थियों को ४०-४५ के बीच अंक प्राप्त हुए और ८० विद्यार्थियों को ३५-३९ के बीच अंक प्राप्त हुए। ३८ विद्यार्थियों को ३०-३४ अंक, ११ विद्यार्थियों को २५-२९ अंक, ९ विद्यार्थियों को २०-२४ अंक एवं सिर्फ ७ विद्यार्थियों को २० से कम अंक मिले। इन परिणामों से स्पष्ट रूप से यह निष्कर्ष निकालता है कि इस वर्ष प्रश्न पत्र १ को करने में अधिकांश छात्र-छात्राओं को सफलता मिली ।

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

प्रश्न १ में अधिकतर छात्रों ने पूरे अंक प्राप्त किए।

प्रश्न २-६ भी अधिकतर छात्रों द्वारा सरलता से हल कर लिए गए।

प्रश्न ७ में कई छात्रों ने औचित्य में कल्पना में विदाई का क्षण के स्थान पर ससुराल जाने का कारण लिखा था।

प्रश्न ९ में 'सोना' रचनात्मक कार्यों में लिखने से अधिकांश छात्र अंक पाने से वंचित रहे।

प्रश्न ३०-३३ में शब्दार्थ या उचित शब्द छांटना अधिकतर छात्रों को कठिन लगा।

शेष प्रश्न लगभग सहजता से हल किए गए।

अशुद्ध वर्तनी पर (जब तक अर्थ न बदला हो) अंक काटे नहीं गए। कुछेक परीक्षर्थियों ने पाठांश से शब्द उतारते समय वर्तनी की ग़लतियां कीं। अंक योजना को उदार बनाने के बावजूद भी कुछ छात्र अच्छे अंक नहीं प्राप्त कर सके, विद्यार्थियों को सही वर्तनी के साथ पाठांश में से शब्द उतारने का अभ्यास दिया जाना चाहिए। अधिकांश विद्यार्थी प्रथम प्रश्न पत्र को अच्छी तरह कर पाए, यह बात सराहनीय है। कुछ विद्यार्थियों ने निर्देश को ध्यान से नहीं पढ़ा और अनावश्यक विस्तार किया। औचित्य लिखने के साथ यह भी लिखना था कि वाक्य सही है या ग़लत।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

• उत्तर निर्धारित स्थानों पर ही लिखें तथा ग़लत होने पर अलग शीट लेकर उस पर लिखें।

• औचित्य में पाठांश की पंक्तियाँ ही लिखें। कई छात्र अपने शब्दों में औचित्य लिखते हैं, जो कि उचित नहीं है।

• कई स्थानों पर उत्तर उचित स्थान पर न होने से वह भाग स्कैन में दिखाई नहीं देता है।

• विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी शिक्षित किया जाए कि प्रश्न में जो बात पूछी गयी है उतना ही उत्तर दें।

• अनावश्यक बातें लिखने पर अंक नहीं मिल पाता।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

• विद्यार्थियों को समझाएँ कि आवश्यकतानुसार ही वे उत्तर लिखें, एक शब्द, वाक्यांश, अधिक से अधिक एक वाक्य।

• वर्णों को अच्छी तरह स्पष्ट लिखना सिखाया जाए।

• बक्से के अंदर ही वर्ण लिखा जाए।

• विद्यार्थियों को समसामयिक लेखन सामग्री पढ़ने हेतु दें एवं विद्यार्थियों से पढ़ कर रिकार्ड करने के लिए प्रोत्साहित करें।

• विद्यार्थियों को हिंदी के अतिरिक्त लेख पढ़ने के लिए दिए जाए जिससे शब्द भंडार के साथ-साथ हिंदी बोलने का अच्छा अभ्यास भी हो।

• कक्षा में पठन सामग्री पढ़ने-पढ़ाने के बाद खुला वार्तालाप करें।

• विद्यार्थियों को श्रेष्ठ वक्ताओं की वार्ता तथा साक्षात्कार भी सुनवाने चाहिए

Further comments

प्रश्न पत्र के सभी पाठांश विद्यार्थियों के स्तर से उपयुक्त थे। प्रश्नों में भी स्पष्टता थी। भाषा पर पकड़ ही कमज़ोर होने के कारण कुछ बच्चे काफी प्रश्न हल नहीं कर पाए।

Higher level paper two

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 7	8 - 14	15 – 19	20 - 24	25 - 28	29 - 33	34 - 45

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

वर्ष 2016 की परीक्षा में प्रश्न 2, 3 और प्रश्न 6 परीक्षार्थियों को कठिन प्रतीत हुए। प्रश्न 2 भारत में कौशल पर आधारित नौकरियों पर केन्द्रित था। इस तरह की नौकरियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में योग्यता विकास के विषयों को जोड़ने पर विचार विमर्श करना था। संयोग से यह प्रश्न बहुत कम परीक्षार्थियों ने ही किया। लेकिन जिन परीक्षार्थियों ने यह प्रश्न चुना वे अपने उत्तर लिखने में विषय के साथ

International Baccalaureate® Baccalauréat International Bachillerato Internacional

न्याय नहीं कर पाए। अधिकांश परीक्षार्थी माध्यमिक व उच्च शिक्षा के पक्ष को जोड़ने में असफल रहे। परिणामस्वरूप ये सभी उत्तर संदेश के स्तर पर आंशिक रूप में ही जवाब दे पाए।

इसके विपरीत प्रश्न 3 जो अधिकांश परीक्षार्थियों ने किया लेकिन दुर्भाग्यवश बहुत कम परीक्षार्थी थे जिन्होंने शल्य चिकित्सा के अर्थ को समझकर अपने उत्तर लिखे। कई परीक्षार्थी शल्य चिकित्सा के अर्थ से पूरी तरह से अनभिज्ञ दिखाई दिए तो कुछ परीक्षार्थियों ने शल्य चिकित्सा का अर्थ सौन्दर्य प्रसाधन एवं पौष्टिक खान-पान की ज़रूरत तक सीमित कर दिया। फलस्वरूप ऐसे परीक्षार्थी संदेश के बेहतर अंक प्राप्त करने में असफल रहे।

भाग दो के प्रश्न 6 का उत्तर लिखने के दौरान यह समस्या कई कॉपियों में नज़र आई कि परीक्षार्थी ने स्वस्थ मस्तिष्क के विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया। अक्सर ऐसे उत्तर स्वस्थ मस्तिष्क कैसे बनाया जाए इस पहलू पर ही विस्तार अधिक किया। इसका नतीजा था कि उनके जवाबों में यह पक्ष दिखाई नहीं दिया कि कैसे यह स्वस्थ मस्तिष्क दूसरों को रचनात्मक कार्यों में संलग्न कर सकता है।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

परीक्षार्थी स्वास्थ्य, मनोरंजन और पर्यावरण जैसे विषयों पर दिलचस्प चर्चा जोड़ने में तत्पर नज़र आए। कई परीक्षार्थियों ने शल्य चिकित्सा से संबंधित उपयोगी जानकारी दी। साक्षात्कार के प्रारूप के भीतर कई प्रभावी एवं दिलचस्प प्रश्न पूछे गए। यद्यपि अधिकांश छात्रों ने प्रारूप का ध्यान रखा और उनके लेखन में कई विशेषताओं को उजागर किया गया लेकिन कुछेक ऐसे परीक्षार्थी थे जिन्होंने प्रारूप पर विशेष ध्यान नहीं दिया। ब्लॉग, साक्षात्कार इत्यादि से संबंधित कई दिलचस्प नमूने सामने आए जो दर्शाता है कि कुछेक अध्यापक इस ओर पूरा ध्यान दे रहे हैं, जो सुखद है।

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

प्रश्न के अनुसार उत्तर नहीं आरंभ करना अधिकांश परीक्षार्थियों की प्रधान समस्या है। साथ में प्रश्न के अर्थों को पूरी तरह से समझने का प्रयास नहीं करना भी इस समस्या की अन्य बड़ी कमज़ोरी है। अधिकांश परीक्षार्थियों ने आंशिक रूप में ही प्रश्न समझा जिसका नतीजा था कि उनके उत्तर भी आंशिक ही रहे। इस पहलू पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है।

दूसरा अहम पक्ष है कि अपनी व्याख्या को लिखते समय कैसे तर्क का विस्तार करें यह लेखन में नज़र नहीं आता। तर्क को मज़बूती देने के लिए उदाहरण और वक्तव्यों को कैसे प्रयोग किया जाए, ये क्षमताएं भी बहुत कम देखने को मिलती हैं।

तीसरा, पक्ष भाषा प्रयोग से जुड़ा है। लगातार परीक्षार्थियों के लेखन पर अंग्रेज़ी की छाप गहरी होती जा रही है। अभिव्यक्ति हिंदी भाषा में ही हो, इसका विशेष ध्यान दिखाई नहीं पड़ता। उदाहरण के लिए यदि परीक्षार्थी लिखते हैं कि मैं सोचता हूँ तो यह महज़ “I think” का ही अनुवाद है। जबकि इसी बात को हिंदी में लिखने के लिए हम लिखेंगे ‘मेरे ख्याल से’ ‘मुझको लगता है’ इत्यादि।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

यह अनिवार्य है कि भविष्य में अध्यापन के दौरान परीक्षार्थियों को अधिक से अधिक लिखने के अभ्यास करवाएं जाएं ताकि वर्तनी की ग़लतियों को सुधारा जा सके। सभी विद्यार्थियों को हिंदी में लिखने का अभ्यास इस हद तक करवाया जाए कि वह हिंदी में सोचकर वाक्य लिख सकें। जब तक परीक्षार्थी हिंदी में सोचने और लिखने के अभ्यस्त नहीं होंगे तब तक उनकी अभिव्यक्ति पर अंग्रेज़ी का प्रभाव समाप्त नहीं होगा। क्योंकि अधिकांश वाक्य जिन पर अंग्रेज़ी वाक्यों की छाया नज़र आती है ऐसे बहुतायात वाक्य पढ़ने में महज़ मन नीरस ही नहीं होता बल्कि विषय वस्तु की वास्तविकता से भी कट जाते हैं।

प्रश्न को समझकर अर्थात उसके विविध पहलूओं को जानने के बाद ही उत्तर लिखने की तैयारी करें।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी वर्तनी की अनेकों अशुद्धियों ने लेखन समझने में बाधा पहुँचाई। इस वर्ष कई परीक्षार्थियों ने वर्तनी और व्याकरण संबंधी अनेकों ग़लतियां कीं। वर्तनी संबंधी ग़लतियों को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। प्रथम, छोटी और बड़ी 'ईकार' का अनुचित प्रयोग। दूसरा, व्यंजन वर्ण जिनमें 'ह' की आवाज़ होती है उन्हें बिना 'ह' की आवाज़ के लिखा जैसेकि 'कभी कभार' को 'कबी कबार' लिखा गया। तीसरा, वर्ण 'र' के संयुक्ताक्षर लिखने की विधि भी अस्पष्ट नज़र आई। ये तीनों ही प्रकार की ग़लतियां बड़ी संख्या में दिखाई दीं। यह दर्शाता है कि परीक्षार्थी इन शब्दों के अर्थ और प्रयोगों से परिचित हैं लेकिन लिखने के अभ्यास की कमी के कारण लिखने में ग़लतियाँ करते हैं। अध्यापक और अध्यापिकाओं से पुनः अनुरोध करते हैं कि वे इन ग़लतियों की तरफ विशेष ध्यान दें और ज़्यादा से ज़्यादा लेखन अभ्यास करवाएं।

Standard level paper two

Component grade boundaries

Grade:	1	2	3	4	5	6	7
Mark range:	0 - 3	4 - 6	7 - 8	9 - 12	13 - 17	18 - 21	22 - 25

परीक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा के कठिन प्रतीत होने वाले संभाग

प्रश्न पत्र में अपेक्षित विधाओं के प्रारूप में कोई ख़ास त्रुटियाँ नहीं पाई गई। हालाँकि कुछ परीक्षार्थी ब्लॉग की प्रतिक्रिया से भ्रमित जान पड़े। प्रश्न १ के उत्तर में प्रतिक्रिया लिखते समय समुचित संबोधन का अभाव रहा। रिपोर्ट लेखन तथा प्रचार पत्रिका के प्रारूप में भी स्पष्टता का कुछ अभाव था।

International Baccalaureate® Baccalauréat International Bachillerato Internacional

कुछ प्रश्नों में एक ओर परीक्षार्थियों को प्रारूप सम्बन्धी स्पष्टता थी तो वहीँ दूसरी ओर प्रश्न का मुख्य शब्द (Key Word) स्पष्ट नहीं था।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय से सम्बंधित शब्दावली का अभाव दिखा जिसके कारण इस विषय से सम्बंधित प्रश्न को बहुत कम परीक्षार्थियों ने चुना।

परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न का सन्दर्भ समझना अत्यंत आवश्यक है जिसका अभाव दिखाई दिया।

पाठ्यक्रम और परीक्षा के वे संभाग जिनके लिए परीक्षार्थी पूर्णतः तैयार लगे

अधिकांश परीक्षार्थियों ने सधी हुई विषयानुकूल भाषा तथा उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग किया। सांस्कृतिक विविधता, रीति-रिवाज़ और परम्परा तथा स्वास्थ्य विषय पर परीक्षार्थियों की तैयारी पूरी लगी। औपचारिक पत्र के प्रारूप में लगभग सभी परीक्षार्थियों को पूर्ण स्पष्टता थी और शायद यही कारण था कि अधिकांश ने इस प्रश्न को चुना। लेख के प्रारूप में भी परीक्षार्थियों ने बहुत कम ग़लतियाँ कीं। न्यूनतम शब्द संख्या का पालन सभी परीक्षार्थियों ने किया। शब्द सीमा का उल्लंघन भी पूर्व वर्षों की तुलना में कम हुआ।

प्रश्न विशेष का विवेचन करते समय परीक्षार्थियों की खूबियाँ और कमियाँ

प्रश्न १- इस प्रश्न को बहुत से परीक्षार्थियों ने चुना। संभवतः परीक्षार्थियों को ब्लॉग विधा सरल लगी। हालाँकि अधिकांश परीक्षार्थी यह समझने में भूल कर गए कि उत्तर में ब्लॉग की प्रतिक्रिया अपेक्षित थी, जिसमें समुचित संबोधन आदि का ध्यान रखा जाना आवश्यक था। प्रतिक्रिया पहले पढ़े गए ब्लॉग की विषयवस्तु पर आधारित थी अतः ब्लॉग के लेखक के विचारों पर सहमति अथवा असहमति जताते हुए उत्तर अपेक्षित था। अधिकांश परीक्षार्थियों ने पहले पढ़े गए ब्लॉग का समुचित उल्लेख नहीं किया और स्वतंत्र रूप से अपने विचार अभिव्यक्त कर दिए।

प्रश्न २- यह प्रश्न भी परीक्षार्थियों में लोकप्रिय रहा। स्कूल पत्रिका के लिए लेख लिखते समय अधिकांश परीक्षार्थियों ने सन्दर्भ तथा लक्षित पाठक वर्ग को ध्यान में रखकर लिखा। बचत शब्द को व्यापक अर्थ में लेते हुए न केवल पैसे बल्कि संसाधनों की बचत के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उसके समाज कल्याण के पहलु को उजागर किया। इस प्रश्न को चुनने वाले परीक्षार्थियों ने सन्देश तथा प्रारूप में बहुत कम अंक गंवाए।

प्रश्न ३- अधिकांश परीक्षार्थियों ने इस प्रश्न का चुनाव किया, जिसका प्रमुख कारण संभवतः 'पत्र' विधा हो सकती है। लगभग सभी परीक्षार्थी औपचारिक पत्र के प्रारूप से अवगत थे जिसके कारण प्रारूप में अंक ४-५ के बीच रहे। इस प्रश्न को करने वाले परीक्षार्थियों की मुख्य समस्या इस प्रश्न के मुख्य शब्द (Key Word) को न समझ पाने की रही। अधिकांश परीक्षार्थियों को 'प्राथमिक चिकित्सा' शब्द का अर्थ समझ नहीं आया। प्राथमिक चिकित्सा के प्रशिक्षण को उन्होंने स्वास्थ्य से जोड़ दिया और उत्तर में स्वस्थ रहने के महत्व तथा शारीरिक व्यायाम के प्रशिक्षण पर उत्तर केन्द्रित कर दिया। यही कारण है कि सन्देश में अंक कम मिले।

प्रश्न ४ – इस प्रश्न का चुनाव अपेक्षाकृत बहुत ही कम परीक्षार्थियों ने किया। सम्भवतः परीक्षार्थी शिक्षा, पुस्तक तथा मनोरंजन में सम्बन्ध स्थापित नहीं कर पाए। अच्छी पुस्तकों का जीवन पर सकारात्मक प्रभाव समुचित

International Baccalaureate® Baccalauréat International Bachillerato Internacional

उदाहरणों के अभाव में स्पष्ट नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि पूर्व वर्षों की अपेक्षा परीक्षार्थी इस वर्ष प्रचार पत्रिका के प्रारूप से अवगत थे, किन्तु यह स्पष्ट नहीं था कि किसे लक्ष्य करके लिखा जाए।

प्रश्न ५ – इस प्रश्न का चुनाव भी अपेक्षाकृत बहुत ही कम परीक्षार्थियों ने किया । सम्भवतः विषयानुकूल शब्दावली के अभाव में ऐसा हुआ होगा। विज्ञान और प्रोद्योगिकी विषय से सम्बंधित इस प्रश्न के उत्तर में अधिकांश परीक्षार्थी उचित शब्द चयन के लिए संघर्ष करते दिखे। अंग्रेज़ी शब्दों की बहुलता के कारण भाषा में परीक्षार्थियों को अंक गंवाने पड़े। रिपोर्ट विधा भी अनेक परीक्षार्थियों को अस्पष्ट प्रतीत हुई।

भावी परीक्षार्थियों के शिक्षण हेतु परामर्श और मार्गदर्शन

• शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन मापदंड का समुचित स्पष्टीकरण अपेक्षित है । मापदंड के विवर्णकों के सभी बिन्दुओं का ज्ञान होने पर परीक्षार्थी प्रश्न की बारीकियों को स्पष्ट करने में सक्षम होंगे ।

· शिक्षकों से निवेदन है कि वे परीक्षार्थियों को वैकल्पिक विषयों से सम्बंधित शब्दावली का खूब अभ्यास करवाएं ।

· परीक्षार्थियों को द्वितीय भाषा की गाइड में उल्लिखित सभी विधाओं का अभ्यास करवाया जाना चाहिए। इसके लिए परीक्षार्थियों को विभिन्न विधाओं के गद्यांश पढ़ने के लिए दिए जा सकते हैं। इससे परीक्षार्थियों को विधानुरूप भाषा और शैली का प्रयोग सीखने में मदद मिलेगी।

· भाषा के स्तर को सुधारने के लिए छात्रों को हिंदी भाषा में सोचने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे भाषा में सहजता और स्पष्टता आएगी। अनेक बार परीक्षार्थी अंग्रेज़ी से ज्यों का त्यों अनुवाद लिख देते हैं।

· शिक्षकों से निवेदन है कि वे परीक्षार्थियों को हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत करवाएँ, जिससे लिंग और वचन संबंधी त्रुटियों में सुधार हो सके। अनावश्यक रूप से असंगत मुहावरों के प्रयोग से परहेज़ की सलाह दें।

· परीक्षार्थियों से शब्द सीमा के पालन का अभ्यास करवाया जाना चाहिए । ४०० शब्दों से आगे का उत्तर परीक्षक द्वारा पढ़ा नहीं जाता है । शब्द सीमा में कारक सहित सभी शब्द गिने जाएंगे ।

· प्रश्न के सभी पहलुओं पर समान रूप से प्रकाश डालने के लिए परीक्षार्थियों को प्रश्न के मुख्य शब्दों को रेखांकित करके प्रश्न को टुकड़ों में विभक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें । इससे प्रश्न समझने में आसानी होगी तथा सन्देश पूरी तरह स्पष्ट करने में मदद मिलेगी ।

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional